पर्यटन कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध

डॉ. अंशुल उपाध्याय*

सारांश

आज हमारी दुनिया युद्ध, धार्मिक संघर्ष, बीमारी और पलायन जैसे संकटों से जूझ रही है। इसलिए, राष्ट्रों या लोगों के बीच राजनीतिक अशांति या संघर्ष को खत्म करने या कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वार्ता का एक नया पैटर्न स्थापित करने की सख्त जरूरत है। वास्तव में, यह धारणा कि पर्यटन अंतर-सांस्कृतिक समझ और सहिष्णुता को बढ़ावा दे सकता है, ने लंबे समय से पर्यटन को शांति के मार्ग के रूप में कूटनीतिक प्रवचन का आधार बनाया है। पर्यटन कूटनीति आधिकारिक स्तर पर शुरू हुई और अर्ध-आधिकारिक और नागरिक समूहों तक फैल गई। गैर-पारंपरिक कूटनीति (सार्वजनिक कूटनीति) के रूप में, कूटनीति के अर्ध-आधिकारिक और नागरिक स्तर आज के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में तेजी से महत्वपूर्ण हो गए हैं; परिणामस्वरूप, कई अध्ययनों ने आधिकारिक पर्यटन कूटनीति को नजरअंदाज करते हुए केवल सार्वजनिक कूटनीति पर ध्यान केंद्रित किया है। पर अब पर्यटन कूटनीति के कार्य अधिक विविध हो गए हैं क्योंकि इसकी गहराई और चौड़ाई बढ़ी है। यह विविधता अंतराल को पाटने और गठबंधनों को मजबूत करने, अर्थव्यवस्था और नव-उपनिवेशवाद को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और छवि निर्माण, और कूटनीतिक प्रतिशोध और समझ में सबसे अधिक दिखाई देती है।

आज पर्यटन दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन गया है, जिसमें 2019 में दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन (रात भर के आगंतुक) में 4% की वृद्धि हुई है, जो 1.5 बिलियन तक पहुँच गया । इसलिए किसी देश की सार्वजनिक छवि को आकार देने में पर्यटन द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका को पहचानने की और, विषय वस्तु पर

* रक्षा एवम स्त्रतजिक अध्ययन, फॉर्मर् पोस्ट डॉक्टोरल फैलो, यू.जी.सी. दिल्ली, upadhyayanshul181@gmail.com

अधिक अंतर्दृष्टि रखने के साथ -साथ भविष्य में पर्यटन के विषय में गहन समझ के लिए कदम बढ़ाना अब अति आवशयक हो गया है ।

पर्यटन कूटनीति क्या है?

आज के वैज्ञानिक युग में कोई देश अलग-अलग नहीं रह सकता। इन देशों में पारस्परिक सम्बन्ध जोड़ना आज के युग में आवश्यक हो गया है। इन सम्बन्धों को जोड़ने के लिए योग्य व्यक्ति एक देश से दूसरे देश में भेजे जाते हैं। ये व्यक्ति अपनी योग्यता, कुशलता और कूटनीति से दूसरे देश को प्रायः मित्र बना लेते हैं। अत:, "पर्यटन कूटनीति पर्यटन संसाधनों को बढ़ावा देना और दो या दो से अधिक देशों के बीच या पर्यटन की सॉफ्ट पावर का उपयोग करके देशों के बीच शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से किसी विशिष्ट गंतव्य के संकट या समस्या को हल करना है।"

प्राचीन काल में भी एक राज्य दूसरे राज्य से कूटनीतिक सम्बन्ध जोड़ने के लिए अपने कूटनीतिज्ञ भेजता था। पहले कूटनीति का अर्थ 'सौदे में या लेन देन में वाक्य चातुरी, छल-प्रपंच, धोखा-धड़ी' लगाया जाता था। जो व्यक्ति कम मूल्य देकर अधिकाधिक लाभ अपने देश के लिए प्राप्त करता था, कुशल कूटनीतिज्ञ कहलाता था। परन्तु आज छल-प्रपंच को कूटनीति नहीं कहा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से आधुनिक काल में इस शब्द का प्रयोग दो राज्यों में शान्तिपूर्ण समझौते के लिए किया जाता है। डिप्लोमेसी के लिए हिन्दी में कूटनीति के स्थान पर राजनय शब्द का प्रयोग होने लगा है। अन्तर्राष्ट्रीय जगत एक परिवार के समान बन गया है। परिवार के सदस्यों में प्रेम, सहयोग, सद्भावना तथा मित्रता का सम्बन्ध जोड़ना एक कुशल राजनयज्ञ का काम है।

पर्यटन कूटनीति का अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव

सांस्कृतिक विनियमन

पर्यटन से राष्ट्रों को संस्कृतियों को समझने और आदान-प्रदान करने में मदद मिल सकती है, जिससे राजनयिक संबंधों में सुधार हो सकता है।

राजनीतिक गतिशीलता

पर्यटन राजनीतिक मामलों को आकार दे सकता है और राजनीतिक गतिशीलता को सामने लाने में सक्षम बना सकता है।

सार्वजनिक कूटनीति

पर्यटन सार्वजनिक कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय विकास को बेहतर बनाने का एक साधन हो सकता है।

आर्थिक विकास

पर्यटन देशों के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत हो सकता है, जिससे आर्थिक विकास और राजनीतिक स्थिरता आ सकती है।

वैश्विक चुनौतियों का प्रत्युत्तर

पर्यटन वैश्विक चुनौतियों और आतंकवाद का एक शक्तिशाली जवाब हो सकता है।

समावेशी राजनीतिक आचरण

इसके साथ साथ पर्यटन से रोज़गार के अवसर पैदा होते हैं। पर्यटन से जुड़े सेवा उद्योगों में परिवहन, होटल, मनोरंजन, और रिज़ॉर्ट जैसे क्षेत्र शामिल हैं। पर्यटन से जुड़े स्वास्थ्य जोखिम, जैसे संक्रामक रोगों का प्रसार, पर्यटकों के प्रवाह को प्रभावित करते हैं। पर्यटन से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव, जैसे मिट्टी का कटाव, प्रदूषण, प्राकृतिक आवास का नुकसान, और लुप्तप्राय प्रजातियों पर दबाव, पर्यटन स्थलों पर पड़ते हैं।

वर्तमान समय मे भारत के पड़ोसी देशों की पर्यटन कूटनीति-

चीन की नेपाल को लुभाने की पर्यटन कूटनीति-

2015 में चीनी सरकार के एक प्रस्ताव के बाद पर्यटन उद्योग एक स्वतंत्र आधिकारिक अवधारणा के रूप में उभरा। वर्तमान में, चीन और विदेशों में अधिकांश शोध पर्यटन कूटनीति पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो क्रॉस-सांस्कृतिक संचार और राष्ट्रीय छवि को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक कूटनीति के रूप में है

कोविड-19 महामारी से पहले, भारत के बाद चीन नेपाल के लिए दूसरा सबसे बड़ा पर्यटक बाजार था. महामारी के बाद चीन द्वारा अपनी भूमि और हवाई सीमाओं को यात्रा के लिए फिर से खोलने के बाद, नेपाल के पर्यटन उद्योग को चीनी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद थी। पर नेपाल को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) परियोजनाओं के लिए सहमत कराने के चीन के प्रयास में कोई प्रगति नहीं होने के कारण, बीजिंग अब हिमालयी राष्ट्र को लुभाने के लिए पर्यटन कूटनीति का सहारा ले रहा है।

नेपाल को लुभाने के लिए चीन ने घोषणा की है कि वह वर्ष 2025 को 'नेपाल भ्रमण वर्ष' घोषित करेगा. इस घोषणा ने. नेपाली अधिकारियों को आश्चर्यचकित कर दिया. कोई भी याद नहीं कर सकता कि चीन ने आखिरी बार अपने नागरिकों के बीच किसी एक देश को पर्यटन स्थल के रूप में कब बढ़ावा दिया हो। सच तो यह है कि भले ही चीन की घोषणा के कारण चीनी पर्यटकों की संख्या बढ़ जाए, लेकिन नेपाल के पर्यटन बाजार में भारतीयों का दबदबा बना रहेगा।

नेपाल ने हिमालयी राष्ट्र में बीआरआई परियोजनाओं के लिए बीजिंग द्वारा वित्त पोषण के लिए चीन की शर्तों पर अभी तक सहमति नहीं जताई है। काठमांडू उच्च ब्याज दरों वाले ऋणों को चुकाने के बजाय बीजिंग से अनुदान और वित्तीय सहायता को प्राथमिकता देता है। नेपाल अपने निकटतम पड़ोस में बीआरआई परियोजनाओं को लेकर भारत की चिंताओं को भी समझता है। भारत नेपाल के माध्यम से कुछ नियोजित बीआरआई बुनियादी ढांचे के गलियारों को विवादित क्षेत्र में अतिक्रमण के रूप में देखता है, जिस पर उसका दावा है की नेपाल चीन के साथ भारत की प्रतिद्वंद्विता में पक्ष लेने के द्वारा अपने शक्तिशाली पड़ोसी भारत के साथ संबंधों को खराब होने से बचना चाहता है ।

आव्रजन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए, काठमांडू पोस्ट ने बताया कि, '2023 में केवल 60,878 चीनी पर्यटक नेपाल आए। इसके विपरीत, नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 319,936 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। केवल वे भारतीय पर्यटक ही पर्यटक माने जाते हैं जो नेपाल की हवाई यात्रा करते हैं। हालांकि, चीन की घोषणा ने नेपाल पर्यटन उद्योग के हितधारकों को उत्साहित कर दिया है। पर्यटन नेपाल का सबसे बड़ा उद्योग है और विदेशी मुद्रा और राजस्व

का सबसे बड़ा स्रोत है। दुनिया के 10 सबसे ऊंचे पहाड़ों में से आठ का घर, नेपाल पर्वतारोहियों, रॉक क्लाइंबर्स और रोमांच चाहने वालों के लिए एक गंतव्य है. नेपाल की हिंदू और बौद्ध विरासत और इसका ठंडा मौसम भी मजबूत आकर्षण हैं. पर्यटन से नेपाल को सालाना 471 मिलियन डॉलर की आय होती है. हालांकि, 2015 में विनाशकारी हिमालयी भूकंप के बाद नेपाल का पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था, जिसके बाद भूकंप की एक श्रृंखला 2020 में आई व नेपाल में पर्यटन क्षेत्र COVID-19 महामारी के कारण ध्वस्त हो गया। महामारी के खत्म होने के बाद, यह भारतीय पर्यटक ही हैं जिन्होंने नेपाल के पर्यटन उद्योग को धीरे-धीरे उबरने में मदद की है. नायक के अनुसार, चीन की पर्यटन कूटनीति के बावजूद, यह भारतीय पर्यटक ही होंगे जो नेपाल के पर्यटन बाजार पर हावी रहेंगे।

पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लुभाने की पर्यटन कूटनीति

पाकिस्तान लंबे समय से अपनी खराब विदेश नीति और विरोधियों के घिनौने दुष्प्रचार के कारण वैश्विक स्तर पर नकारात्मक छवि का शिकार रहा है। इसके बावजूद पाकिस्तान पुरातात्विक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और संपन्न देश है और विविध संस्कृतियों का घर है। यह मन को झकझोर देने वाली भौगोलिक परिदृश्यों वाली सबसे जादुई भूमि है, हमारे पास समुद्र, नदियाँ, झीलें, पहाड़, रेगिस्तान, ठंडे रेगिस्तान और देखने के लिए कई तरह के मौसम हैं। हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी तीन पर्वत श्रृंखलाओं सहित सबसे बड़ी पर्वत प्रणालियाँ हैं, जिनमें ग्लेशियरों का प्रतिशत दुनिया में सबसे अधिक है। हमारे पास सिंध में मोहनजोदड़ो, पंजाब में हड़प्पा और बलूचिस्तान में मेहरगढ़ के रूप में पृथ्वी पर सबसे प्राचीन सभ्यता है। देश के विभिन्न हिस्सों में बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म, सिख धर्म और सूफीवाद के खंडहरों के रूप में हमारे पास महान सांस्कृतिक- धार्मिक विरासत है इसके अलावा, हमारे पास सभी प्रांतों में सैकड़ों रंग-बिरंगी संस्कृतियां हैं, और अंतिम लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, हमारे पास सबसे खूबसूरत लोग हैं जो अपनी अनूठी भूमि को आगंतुकों के साथ साझा करना चाहते हैं। ये सब कहना पाकिस्तान की अंतरष्ट्रीय पर्यटकों को लुभाने की मात्र एक चाल है। जबकि वास्तविकता में पाकिस्तान के पास दुनिया को देने के लिए आतंकवाद के शिव और कुछ नहीं है।

बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लुभाने की पर्यटन कूटनीति

बांग्लादेश के आतिथ्य उद्योग अपने संभावित मेहमानों से सीधे संपर्क करते है और यात्रा एजेंसी, टूर ऑपरेटर, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया या अपनी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से पर्यटकों के साथ संपर्क करते है। वे गंतव्य और विशेष सुविधाओं के ऑफर्स के बारे में प्रमुख जानकारी प्रदान करते हैं ताकि पर्यटक देश का दौरा करने के लिए आकर्षित हों। इस प्रकार, आतिथ्य उद्योग पर्यटकों के साथ संवाद करता है और उन्हें जानकारी प्रदान करता है। पर्यटक एक गंतव्य पर जाने से पहले आवास, परिवहन, भोजन और पेय, और अन्य सुविधाओं की जानकारी खोजते हैं। वे यह जानकारी वेबसाइट, दोस्तों और परिवार, समाचार पत्र, यात्रा एजेंसियों या आतिथ्य उद्योग से सीधी बातचीत के माध्यम से प्राप्त करते हैं। बांग्लादेश में कुछ प्रसिद्ध होटल हैं जैसे, कि रैडिसन ब्लू वाटर गार्डन, वेस्टिन, पैन पैसिफिक सोनारगांव आदि। ये आतिथ्य उद्योग सीधे स्थानीय लोगों को भर्ती करते हैं क्योंकि स्थानीय लोग गंतव्य के बारे में उद्योग के लोगों की तुलना में अधिक जानकारी रखते हैं। इस प्रकार, वे पर्यटकों को गंतव्य या देश भर में पर्यटन संसाधनों के बारे में सुझाव दे सकते हैं।

बांग्लादेश एयरलाइंस पर्यटकों के लिए एक विशेष अवधि के लिए 20% - 50% छूट प्रदान करती है। यह ऑफर समृद्ध और बजट पर्यटकों दोनों को हवाई यात्रा के लिए प्रेरित करता है। इस रणनीति से पर्यटन उद्योग को अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने और देश को प्रमोट करने में मदद करती है।

श्रीलंका की पर्यटकों को लुभाने की पर्यटन कूटनीति

श्रीलंका 22 मिलियन लोगों की जनसंख्या वाला देश है। जो अपने समुद्र तटों, प्राचीन मंदिरों और सुगंधित चाय के लिए प्रसिद्ध है । श्री लंका ने पहले COVID-19 महामारी और फिर 2022 में गंभीर वित्तीय संकट का सामना किया था, जिसके चलते वहॉ व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन और ईंधन जैसे आवश्यक वस्तुओं की कमी देखी गई थी । श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने चीन, भारत और रूस सहित 35 देशों के पर्यटकों को मुफ्त वीजा जारी करने की मंजूरी दे दी है। यह कदम पर्यटन को बढ़ावा देने और संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। पर्यटकों को 30 दिनों के वीजा

प्रदान किए जाएंगे, जो 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले छह महीने के पायलट प्रोग्राम के तहत दिए जा रहे है। इस विस्तृत सूची में भारत, चीन, ब्रिटेन, जर्मनी, नीदरलैंड, बेल्जियम, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, पोलैंड, कजाकिस्तान, सऊदी अरब, UAE, नेपाल, इंडोनेशिया, रूस, थाईलैंड, मलेशिया, जापान और फ्रांस शामिल हैं।

हालांकि, पिछले साल से श्रीलंका के पर्यटन उद्योग ने सुधार का लाभ उठाना शुरू किया है, और श्रीलंका ने अगस्त के मध्य तक लगभग 2 मिलियन आगमन दर्ज किए, जो 2019 के बाद पहली बार हुआ है। श्रीलंका डेवलपमेंट अथॉरिटी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत 246,922 आगमन के साथ पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है, जबकि ब्रिटेन 123,992 आगमन के साथ दूसरे स्थान पर है। केन्द्रीय बैंक के अनुसार, श्रीलंका ने 2024 की पहली छमाही में पर्यटन से $1.5 बिलियन की कमाई की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में $875 मिलियन थी।

पर्यटन कूटनीति से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि

भारत की भौगोलिक विविधता, संस्कृति, परंपरा, और दीर्घकालिक धरोहर इसे एक अद्वितीय पर्यटन स्थल बनाती है। भारतीय संस्कृति और धरोहरों की झलक दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में लगभग हर जगह देखी जा सकती है। भारत के पुरातन मंदिर जिस जिस शैली में बनाए जाते थे, उसी शैली में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में खुदाई के दौरान शिवलिंग, विष्णु मूर्ति, गरुड़ की मूर्ति, आदि प्राप्त हुए हैं । जिससे यह सिद्ध होता है कि, भारत की भौगोलिक विविधता संस्कृति परंपरा का दक्षिण पूर्वी एशिया देशों के साथ गहरा संबंध है, अतः कुछ केंद्रीय एशियाई देश हमारे इतिहास को भी सांझा करते हैं । वह हमारे इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा है । उदाहरण के लिए गिरमिटिया जैसे समुदाय जिन्हें उपनिवेश वीडियो द्वारा ले जाया गया और बागान क्षेत्र में काम करने के लिए मजबूर कर दिया गया यह दर्शाते हैं की, स्वतंत्रता और मजबूत सांस्कृतिक पहचान के अभाव में एक व्यक्ति को किस प्रकार से उसकी जड़ों से उखाड़ कर संस्कृति आघात का सामना करने के लिए मजबूर कर दिया जाता है ।

वर्तमान में उत्तराखंड देवभूमि लक्षद्वीप और अरुणाचल प्रदेश में भारतीय संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजनायकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । भारत

एक सॉफ्ट पावर के रूप में कार्य कर सकता है और देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने के लिए विशाल अवसर प्रदान करता है । उदाहरण के लिए सारनाथ ,बोधगया, वैशाली और नालंदा जैसे बौद्ध पर्यटन स्थल बौद्ध धर्म के अंगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है । आंतरिक संबंधों के दृष्टिकोण से यह स्थल दक्षिण पूर्व एशियाई देशों और बौद्ध समुदायों के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए नोडल बिंदुओं के रूप में कार्य कर सकते हैं । आज भारत को विश्व में योग गुरु के नाम से भी पहचाना जाता है भारत के बहुत से गुरु अन्य देशों में भी योग और प्राणायाम का प्रचार करते हैं । जिनमें सद्गुरु, श्री श्री रविशंकर जी, बाबा रामदेव आदि शामिल है । एक तरीके से यह भी भारत की संस्कृति की ओर विदेशी पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करते हैं ।

भारतीय संस्कृति अपने आप में अत्यंत महान है इसका विस्तार उत्तर में हिमालय के नीचे से दक्षिण में समुद्र के ऊपर के लगभग सभी क्षेत्रों में रहा है । वर्तमान समय में दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लगभग हर देश के साथ भारत के मधुर संबंधों का होना उसकी सांस्कृतिक एकता की पहचान है, अतः आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि एक विकासशील देश के रूप में विकसित हुई है, और विकसित भारत होने तक के सफर के लिए भारत में अब अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और राजनयिकता के संदर्भ में पर्यटन के विचार को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। जिससे अन्य देशो के लोगो को भारत में आकर यहां की वास्तविक संस्कृति से परिचित कराया जा सके और उनके मन में पाकिस्तान जैसे देशों ने जो भ्रम पैदा कर दिए हैं उनसे छुटकारा दिलाया जा सके।

चर्चा

वर्तमान परिवेश में जब एक दूसरे एक देश से दूसरे देश में आवागमन करने के लिए कोई सीमा अब रही नहीं हवाई यात्रा के द्वारा आसानी से आप एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सकते हैं ऐसे समय में विभिन्न देश अपने देश में दूसरे देश के नागरिकों को पर्यटक के रूप में आने की परमिशन देते हैं और ऐसा करने पर जब अन्य देश के लोग आपके यहां आते हैं तो वह जहां भी घूमते हैं जिन स्थानों को देखते हैं और जहां निवास करते हैं जहां पर भोजन करते हैं इन सब में जो भी पैसा वह लगाते हैं, वह कहीं ना कहीं आपकी अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करता है। एक तरीके से विभिन्न राष्ट्र के देशों को अपने

यहां लोगों को बुलाने और उनके द्वारा किए गए अच्छे खासे खर्चे से अपने देश के अर्थव्यवस्था में मदद करने का यह पूरा काम कूटनीतिक चाल ही है, जिससे एक तरीके से मेज़बान देश को फायदा ही होता है। पर्यटन सांस्कृतिक, सौंदर्यात्मक, और ऐतिहासिक तत्वों का उपयोग करके अन्य देशों को आकर्षित और प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, भारत योग को एक कूटनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करता है ताकि अपनी सौम्य शक्ति को बढ़ाया जा सके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति को मजबूत किया जा सके। सरकार सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण को पुनर्जीवित करती है और भारतीय सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा देती है। सांस्कृतिक क्षेत्र के आर्थिक मूल्य को मान्यता देती है। यह दृष्टिकोण देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को भी बढ़ाता है ।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन उन सबसे महत्वपूर्ण प्रकारों में से एक है जिनका विदेश मामलों के विभाग के निर्णयों के साथ महत्वपूर्ण, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संबंध होता है; इसे विशिष्ट परिप्रेक्ष्यों में पर्यटन राजनयिकता के रूप में व्याख्यायित किया जाता है और यह पर्यटन उद्योग के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और प्लेटफार्मों को मार्गदर्शित, चैनलाइज और सुविधा प्रदान कर सकता है। इसलिए, देशों की जरूरतों, मौजूदा क्षमताओं, और प्रत्येक देश में अद्वितीय पर्यटन आकर्षणों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, यह अनिवार्य है कि विदेश मंत्री पर्यटन राजनयिकता के क्षेत्र में गहरे, सुरक्षित और विशेषज्ञ कदम उठाएं। पर्यटन के क्षेत्र में नई नौकरियों का सृजन बेरोजगारी की समस्या को हल करने और लोगों के बीच सामाजिक सक्रियता उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। उदाहरण के लिए, विशेषज्ञ निर्णय-निर्माण चुनौतियों को हल कर सकता है और राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नए क्षितिज देख सकता है । पर्यटन के बुनियादी ढांचे को बदलकर और सशक्त बनाकर और पर्यटन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में लोगों की भूमिका को बढ़ाकर, या निजी क्षेत्र को शामिल करके और घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करके, मध्यस्थता के मामलों को कम करके, सरकारों की भूमिका और पर्यटन उद्योग में सीधी भागीदारी को घटा सकता है। पर्यटन केवल एक उद्योग नहीं है, बल्कि यह उद्योगों का एक समूह है जो पर्यटकों पर विभिन्न स्तरों पर निर्भरता अनुभव करता है, और यह निर्भरता समय और स्थान के साथ परिवर्तनशील होती है। इस बीच, पर्यटन विकास सभी आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सुरक्षा और नियामक और कानूनी क्षेत्रों के व्यवस्थित कार्यकरण से प्रभावित होता है। देशों की राजनयिक प्रणाली

का पर्यटन के महत्वपूर्ण श्रेणी में अन्य संस्थानों और संगठनों के साथ एक विशिष्ट और विशिष्ट स्थान होता है।

पड़ोसी देशों और विश्व के विभिन्न हिस्सों में अन्य पर्यटन बाजारों के साथ भू-राजनीतिक संबंधों का निर्माण, सुधार, विकास और गहरा करना आर्थिक राजनयिकता के साथ-साथ विशेष रूप से पर्यटन उद्योग में क्षमता निर्माण की प्राथमिकताओं में गिना जाता है। अधिकांश देशों की आर्थिक राजनयिकता के क्षेत्र में पर्यटन पर जोर देने के साथ की गई गतिविधियाँ अब तक सफल नहीं रही हैं, और पर्यटन की संभावनाओं और वास्तविक क्षमताओं के संदर्भ में आदर्श बिंदु तक पहुँचने के लिए अभी भी लंबा रास्ता तय करना है।

निष्कर्ष

पर्यटन को अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में "अपने विरोधियों को मनाने का कौशल" कहा जाता है। पर्यटन नीतियां और अंतरराष्ट्रीय संबंध करीबी रूप सेएक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं ।

देशों के पर्यटन के प्रति दृष्टिकोण, जिसमें उनके वीजा नीतियां, विपणन रणनीतियां, और संकट प्रबंधन शामिल हैं, अन्य देशों के साथ उनके कूटनीतिक संबंधों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। जब पर्यटन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जाता है, तो यह आपसी समझ, आर्थिक सहयोग, और शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक ताकत बन सकता है। सरकारी राजनीतिक निर्णय सीधे तौर पर यह निर्धारित करते हैं कि पर्यटन कैसे विकसित होता है। पर्यटन कूटनीति का उन्नयन और इसके अनुप्रयोग के परिणामस्वरूप पर्यटकों की आवक, रोजगार के अवसर, और आर्थिक समृद्धि हो सकती है, जिससे राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है और अंततः एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना होती है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) के आयोजन से देश की पर्यटन क्षमताओं का सटीक और सैद्धांतिक रूप से परिचय कराने का अच्छा अवसर प्राप्त होता है। इसके अनुसार, विदेश मंत्री राजनयिक और अन्य देशों के दूतों को आमंत्रित कर सकते हैं ताकि राजनयिक और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन संबंधों को गहरा किया जा सके

भारत के सम्बन्ध में देखा जाए तो आज भारत को अपने दोगले पडोसीयो जैसे, चीन और पाकिस्तान से संभल कर रहने की जरुरत है। साथ ही अब भारत को अपनी विरासत को भी अपना नाम देना अति आवशयक है। चुकी भारत का अस्तित्व तब से है जब, पाकिस्तान का जन्म भी नहीं हुआ था। अतः अब पुनः भारत विश्व गुरु बनने क लिए जब अग्रसर हुआ है तो उसे अपने देश में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना होगा । तभी भारत के वास्तविक प्रगतिमान चेहरे को विश्व के सम्मुख लाया जा सकेगा और हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासतों को हमारे ही नाम से पहचाना जायेगा। इससे न केवल अन्य देशो के साथ हमारे अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धो में मधुरता आएगी वरन कुटिल पड़ोसियों के षड़यंत्र से भी अन्य देशो को बचने में मदद मिलेगी साथ ही साझा सांस्कृतिक स्मृतियों को पुनर्जीवित करने के कारण सांस्कृतिक संपत्तियों का विकास होगा और देश के लाखों लोगों के जीवन को भी बदला जा सकेगा ।

संदर्भ

Aroonim Bhuyan, Jun 27, 2024, from ETV Bharat

Beijing bets on tourism diplomacy as soft power tool (kathmandupost.com)

Bopon Chandra kuri, synthia islam, sadia afrin ananya, August 2020, from Research gate

Building Bridges through Tourism Diplomacy: Paving the Way for Sustainable Tourism in Pakistan and Least Developed Countries (linkedin.com)

Business standaed, Aug 22 2024, from Sri Lanka to boost tourism, approves free tourist visas for 35 countries

China's Soft Power in Nepal: A Strategic Influence (orfonline.org)

Discussion: tourism and diplomacy: Journal of Tourism History: Vol 11 , No 1 - Get Access (tandfonline.com)

Dr Bharti Gupta , January 20, 2024,from Daily Excelsior,

Erik MUHIA, International Studies and Diplomacy Graduate Student and Young Diplomat, 02 January 2023, Kenya, from protocol today

Erum khan, 07 july 2023, from linked

Gajendra Singh Shekhawat Sep 02, 2024 from The Economic Times

Global Impact of Casino Tourism on Economies - Modern Diplomacy

How you can build a travel fund for that dream foreign trip - India Today

https://doi.org/10.4337/9781802207774

James Guild, April 30, 2024,from The Diplomate

Katerina Antoniou, 04 Aug 2023,from Tourism as a Form of International Relations

Leveraging tourism for nation building and diplomacy - Daily Excelsior

María-Francisca Casado Claro, Josep Pastrana Huguet, María Concepción Saavedra Serrano,2023,Vol 11 No 2 , freom , Journal of Tourism, Sustainability and Well-being | Special Issue - Destination Branding: An Interdisciplinarity Overview

Medha Chawla Aug 16, 2024,from India today,

Nepal's Travel Industry Hopes For Gains As China Pledges to Send More Tourists (skift.com)

NEWSROOM, August 30, 2024, from modern diplomacy

Peden Doma Bhutia, July 11th, 2024,from skift

SANGRAM PRASAIN, 27 JUNE 2024, from the Kathmandu post

Shelley Baranowski,Lisa Pinley Covert,Bertram M. Gordon,Richard Ivan Jobs,Christian Noack, Adam T. Rosenbaum,15 Mar 2019 from,
Journal of Tourism History Volume 11, 2019 - Issue 1, Discussion: tourism and diplomacy

Shiva Jalalpour, Jamshid Shojaeifar, from,2017, World Journal of Environmental Biosciences,

Shruti Saxena,12 july 2024, from ORF

Southeast Asian Tourism Slowly, But Steadily, Recovered in 2023 – The Diplomat

Sri Lanka to boost tourism, approves free tourist visas for 35 countries | World News - Business Standard (business-standard.com)

Swarupa Tripathy,July 4, 2024,from ,The indian express,

The impact of pilgrim tourism on the bilateral diplomacy of India and Nepal and the mediation effect of people-to-people contact - Zubair Ahmad Dada, Mehraj Din Wani, Shamim Ahmad Shah, 2022 (sagepub.com)

The times of iondia, Sep 2, 2024, from What tourism builds, what it destroys, http://timesofindia.indiatimes.com/articleshow/112953076.cms?utm_source=contentofinterest&utm_medium=text&utm_campaign=cppst

the-tourism-industry-and-the-international-relations.pdf (environmentaljournals.org)

Tourism as a Soft Power Tool. The Role of Public Diplomacy in Japan's Country and Destination Branding | Journal of Tourism, Sustainability and Well-being (jsod-cieo.net)

TOURISM DIPLOMACY – Protocol Today

Tourism Diplomacy: A Feasible Tool of Building Nation's Image through Tourism Resources. A Study on Bangladesh (researchgate.net)

Tourism's contribution to economy will exceed global average in next 5 years: Gajendra Singh Shekhawat at ET WLF - The Economic Times (indiatimes.com)

What will it take to develop, grow, and maintain eco tourism in northern India? | Destination-of-the-week News - The Indian Express

Zubair Ahmad Dada, Mehraj Din Wani and Shamim Ahmad Shah, January 27, 2022, Volume 7, Issue 3,from Sage journal,

'नेपाल भ्रमण वर्ष 2025': भारतीय पर्यटकों के आगे चीन की हर कूटनीति रहेगी विफल - China Tourism Diplomacy (etvbharat.com)